Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 10 मानव पर्यावरण अंतःक्रिया : अपना प्रदेश बिहार

पाठ का सार संक्षेप

बिहार गंगा के मध्य मैदान में अवस्थित है। इसके उत्तर में नेपाल तथा हिमालय पहाड़ का दक्षिणी भाग तथा तराई क्षेत्र है । इसके पूरब में पश्चिम बंगाल, पश्चिम में उत्तर-प्रदेश तथा दक्षिण में झारखंड राज्य है । झारखंड प्रायद्वीपीय पठार का दक्षिणी भाग हैं । गंगा बिहार की मुख्य नदी है । गंगा की सहायक नदियों में सरयू (घाघरा), गंडक, बढी गंडक, कोसी, महानंदा उत्तर की ओर से आकर मिलती है । दक्षिण से सोन, पुनपुन, फल्गू आदि नदियाँ मिलती हैं ।

जाड़े के मौसम में यहाँ का अधिकतम तापमान 29° से 30° सेल्सियस
तथा न्यूनतम तापमान 8° सेल्सियस के लगभग रहता है । गर्मी में
पछुआ हवा के साथ लू चलती है तब तापमान कभी-कभी 40°
सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है । बंगाल की खाडी से लौटती मानसून से यहाँ वर्षा होती है । यदि सामान्य वर्षा हो तो वह औसतन वार्षिक 100 से 150 सेमी तक हो जाती है। अप्रैल-मई में पहली वर्षा के साथ आम का आकार बढ़ने लगता है और वह पकने की ओर अग्रसर होने लगता है । लीची पक जाती है और

उसमें रस आ जाता है। कभी-कभी आंधी आती है, जिससे आम की फसल कुप्रभावित होती है । हिमालय पर और उसकी तराइयों में होने वाली भारी वर्षा से बिहार की कुछ नदियों में बाढ़ का कहर आम बात हो गई है । समुद्र के तल से बिहार की ऊँचाई लगभग 100 मीटर है। जनसंख्या का घनत्व सघन है।

बिहार की समस्त भूमि का 75% कृषि योग्य है । 12% भूमि बंजर है। दक्षिण पूर्व के कुछ जिलों को छोड़कर वनों का अभाव है । पश्चिम चम्पारण का उत्तर भाग वनों से पूर्णतः आच्छादित है। बिहार की कृषि मानसून का मुहताज है । हालाँकि कुछ जिलों में नहरों की सुविधा है । यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि ही है । धान यहाँ की मुख्य फसल है । लेकिन गहें, मकई, मआ, दलहन, तेलहन, गन्ना, मिरचाई, हल्दी, धनिया, प्याज, लहसुन आदि मसालें भी उपजा लिये जाते हैं।

उत्तर बिहार के खास-खास जिलों में आम, लीची, केला, तम्बाकू, पान तथा मखाना की खेती खूब होती है । भागलपुर में सिल्क तथा पूर्णिया में जूट, गया में सूती वस्त्र तथा पूर्वो चरण में सीप का बटन बनाने का गृह उद्योग चलता है । मुंगेर में सिगरेट कारखाना, बरौनी में उर्वरक तथा तेलशोधन

का कारखाना है। मुजफ्फरपुर और मोकामा में रेलवे वैगन प्लांट है । जमालपुर में रेलवे की कार्यशाला है । रेलवे तथा बारूद के कारखाने अभी प्रगति पर हैं।

खनिज का बिहार में अभाव है । बिहार के दक्षिणी जिलों में कहीं, टीन, कहीं अभ्रक पाया जाता है ! कमर की पहाड़ियों में चूना-पत्थर, बालू पत्थर और थाइराईट मिलते हैं।

बिहार में पहले जहाँ हल-बैल उपयोग होता था, अब अधिकतर ट्रैक्टर भी दिखाई पड़ने लगे हैं। सिंचाई में डीजल इंजन चालित पम्प का उपयोग . होने लगा है । यहाँ का मुख्य भोजन चावल, गेहूँ, दाल, आलू और हरी सब्जियाँ

https://www.evidyarthi.in/

है । पेयजल का मुख्य स्रोत परम्परागत कुंआ तथा चापाकल है । पुरुष सामान्यतः धोती, कुरता, शर्ट, पैंट, गमछा, लँगी, पायजामा तथा औरतें साड़ी, ब्लाउज, सलवार, समीज पहनती हैं । यातायात के लिये सड़क और रेल मुख्य हैं । पटना तथा गया हवाई मार्ग से भी जुड़े हैं । खपड़ापोश मकानों की अधि कता है। गाय तथा भैंस दूध के मुख्य स्रोत हैं । बकरियाँ भी पाली जाती है । लेकिन वह दूध के लिए कम और मांस के लिए अधिक ।

लिट्टी-चोखा जल्दी तैयार हो जानेवाला भोजन है । एक-दो खास जिलों में दही-चूड़ा या सत्तू खाने का विशेष रिवाज हे । पों में छठ की प्रमुखता है । इसके पहले दशहरा और दीपावली बीत चुकी होती है । होली बड़े उल्लास से मनाई जाती है । मधुबनी की पेंटिंग विश्व में प्रसिद्ध है । यहाँ की मेधा शक्ति का लोहा दुनिया मानती है ।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/